



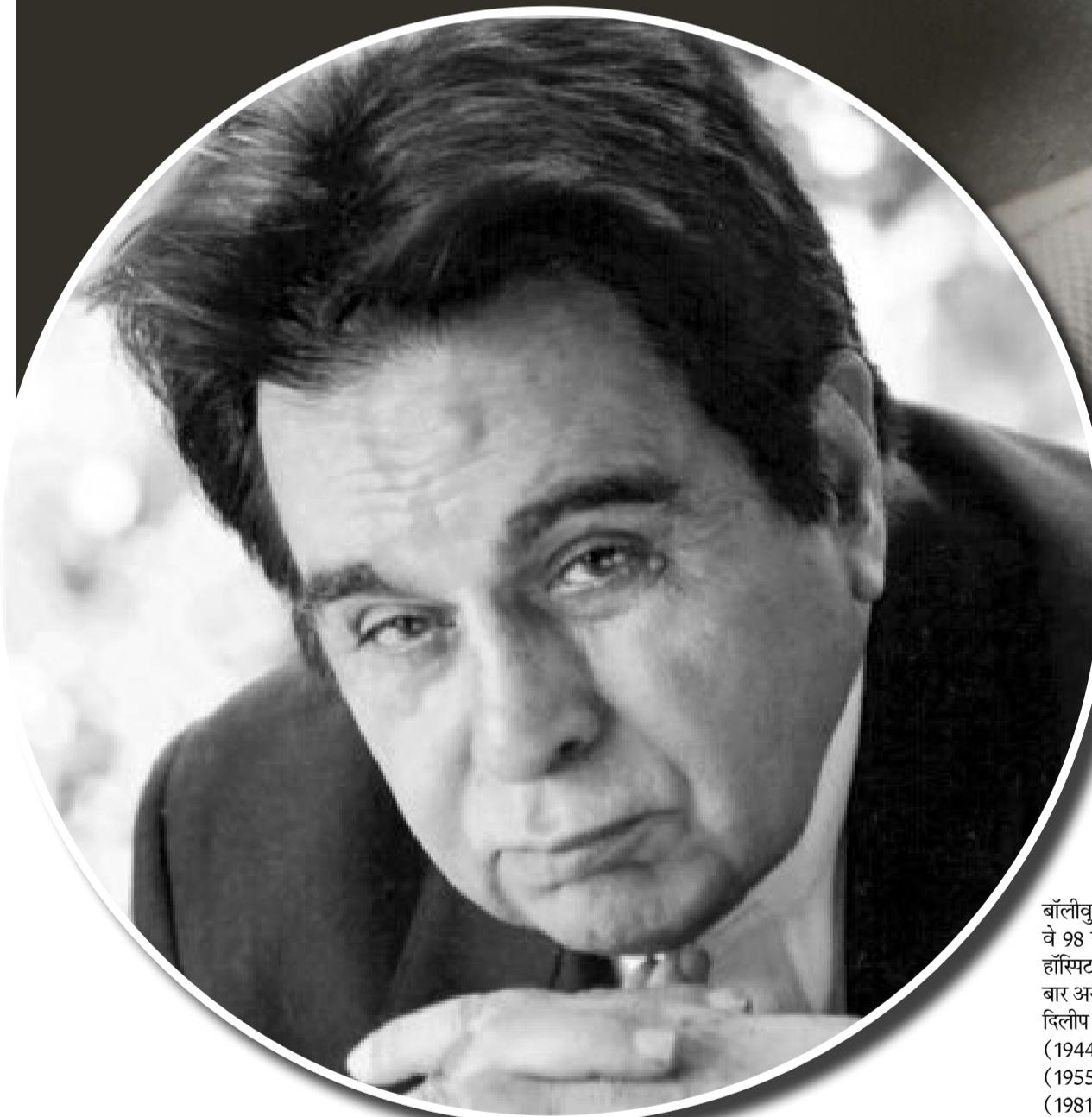
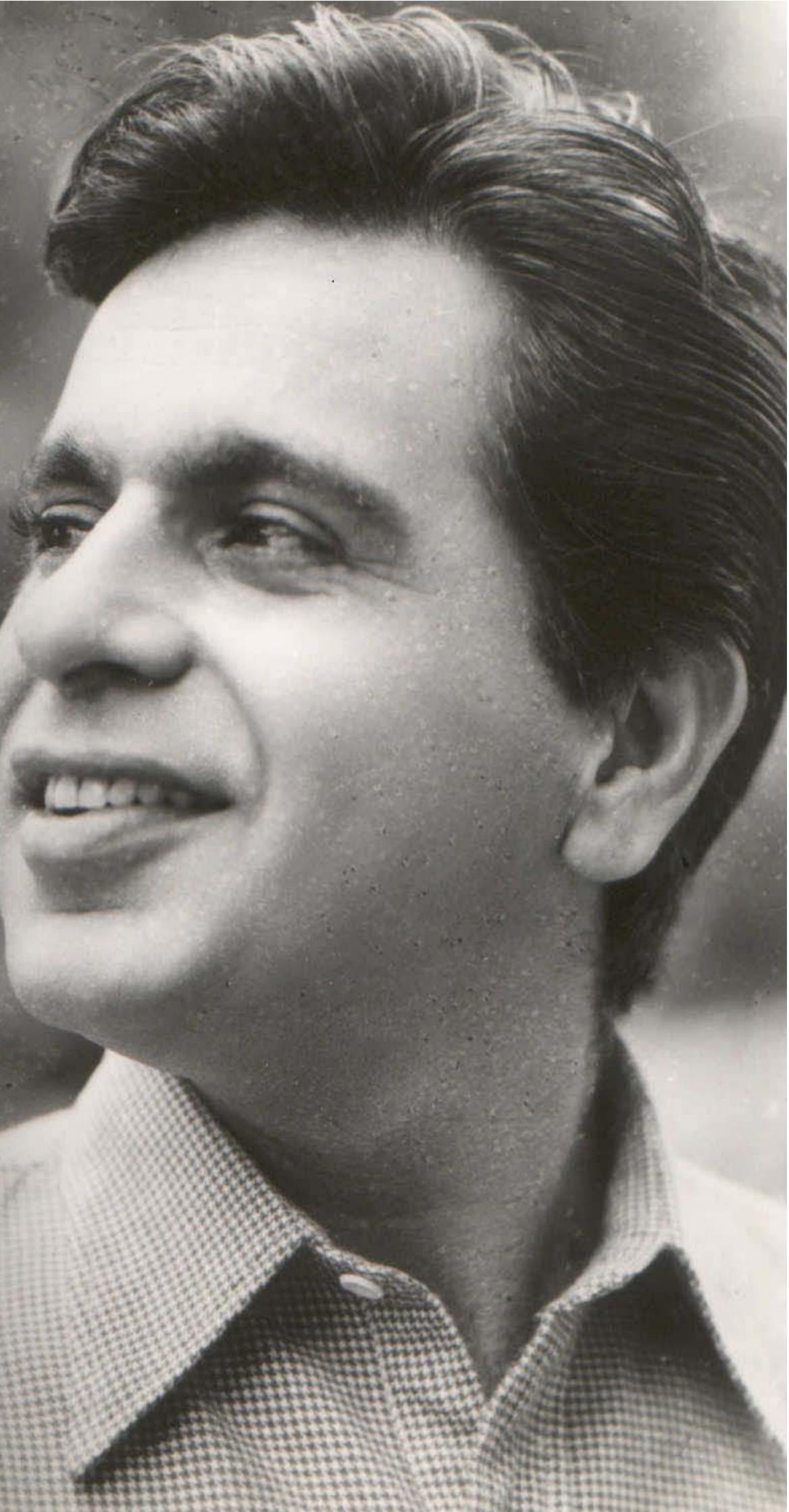






# दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार का निधन

मुंबई। दिग्गज फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार का बुधवार सुबह साढ़े 7 बजे निधन हो गया। मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में दिलीप कुमार ने अतिम सांस ली। वे 98 वर्ष के थे। बॉलीवुड में ट्रेजेडी किंग के नाम से मशहूर दिलीप कुमार पिछले 8 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। वे लंबे समय से बीमार थे। 11 दिसंबर 1922 को पेशावर में जन्मे दिलीप कुमार राज्य समा के सदस्य रह चुके हैं। उन्हें उनके दौर का बेहतरीन अभिनेता माना जाता था। ट्रेजेडी किंग को 1995 में भारतीय फिल्मों के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, इसके अलावा 1996 में दिलीप कुमार को पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इमितियाज से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने देवदास, शक्ति, राम और श्याम, लीडर, कोहिनूर, आजाद और नवा दौर जैसी फिल्मों की थी। इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्म फेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया।



## बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता का 98 साल की उम्र में निधन, लंबे समय से बीमार चल रहे थे

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार का बुधवार सुबह निधन हो गया। वे 98 साल के थे। लंबे समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। उन्हें कई बार हॉस्पिटल में भी भर्ती करना पड़ा था। दिलीप कुमार को पिछले एक महीने में दो बार अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

दिलीप कुमार का असली नाम मोहम्मद यूसुफ खान था। उन्होंने 'ज्वार भाटा' (1944), 'अंदाज' (1949), 'आन' (1952), 'देवदास' (1955), 'आजाद' (1955), 'मुगल ए-आजम' (1960), 'गगा जमुना' (1961), 'क्रान्ति' (1981), 'कमाँ' (1986) और 'सौदागर' (1991) समेत 50 से ज्यादा बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

### ● कोरोना से दो भाइयों का इंतकाल हुआ

इससे पहले कोरोना की वजह से पिछले साल दिलीप कुमार के दो छोटे भाइयों का दृतकाल हो गया था। 21 अगस्त को 88 साल के असलम का और पिंग 2 सितंबर को 90 साल के अहसान चल बसे। इसके चलते सायरा बानो और दिलीप कुमार ने 11 अक्टूबर को अपनी शादी की 54वीं सालगिरह का जश्न नहीं मनाया था।

### ● पेशावर में हुआ था जन्म

दिलीप साहब का जन्म 11 दिसंबर 1922 को बिंगिश इंडिया के पेशावर (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्होंने अपनी चढ़ाई नासिक में की थी। करीब 22 साल की उम्र में ही दिलीप कुमार को पहली फिल्म मिल गई थी। 1944 में उन्होंने फिल्म ज्वार भाटा में काम किया था, लेकिन यह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

